(b) what are the names of the loss making mills out of these mills;

(c) whether Government will consider handing over the loss making units back to the promoters to avoid further losses; and

(d) what steps are being taken to make sure that no workers are rendered jobless?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY) : (a) A statement showing the names of textiles mills taken over by Government and handed over to NTC for management but not yet nationalised, is attached. [*See* below]

(b) All the mills managed by NTC, excluding Podar Processors, Bombay incurred losses during 1992-93.

(c) At present, there is no proposal under consideration of Government to hand over the loss making managed units back to the promotors or erstwhile owners.

(d) The question of closure or retention of individual mills of NTC will be taken up after taking into consideration the impact on viability of rationalisation of labour under the Voluntary Retirement Scheme and other relevant factors.

Statement

List of mills taken over by Government and handed over to NTC for management, but not yet nationalised.

(UP) Management :

1. Laxmirattan Cotton Mills, Kanpur.
2. Atherton West Mills, Kanpur.

TAKENOVER MILLS (BOMBAY) :

3. Elphinston Mills, Bombay.
4. Finlay Mills.
5. Gold Mohur Mills.
6. Jam Mills.
7. Madhusudan Mills.
8. New City Mills.
9. Poddar Mills.
10. Poddar Processors.
11. Tata Mills. (incl. non-woven)
12. Sitaram Mills.
13. Kohinoor Mills No. 2
14. Kohinoor Mills No. 2
14. Kohinoor Mills No. 3

Export oriented Cotton Policy

1014. DR. YELAMANCHILI SHIVAJI : Will th Minister of TEXTILES be pleased to state :

(a) whether it is a fact that an export oriented cotton policy encouraging the production of good variety of cotton is under consideration of Government; and

(b) if so, what are the details ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY) : (a) and (b) Government's endeavour has always been to encourage the production of good variety of cotton through use of improved seeds, pest control and by better post harvest management of the crops.

Modernisation of Bhiwani Textile Mills

1015. SHRI RAMJI LAL : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state :

(a) whether NTC has any proposal to modernise Textiles Mills in Haryana;

(b) if so, what amount is likely to be spent on Bhiwani Textile Mills;

(c) whether Government have any proposal to open new Textile Mills in Haryana; and

(d) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY) : (a) There is no mill of NTC in Haryana.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

वर्ष 1992 के दौरान कपड़े का कम उत्पादन

1016. **श्री रामजेठमलानी :**

श्री विष्णुकांत शास्त्री : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1992 के दौरान संगठित कपड़ा मिलों में उत्पादित कपड़े की मात्रा वर्ष 1991 के उत्पादन की तुलना में कम थी ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1991 तथा 1992 में कितना-कितना उत्पादन हुआ ;

(ग) क्या सरकार ने इन कपड़ा मिलों द्वारा 1992 में उत्पादित कपड़े के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया था ;

(घ) यदि हां, तो वह लक्ष्य कितना था ;

(ङ) उन मिलों में कम उत्पादनहोने के कारण क्या हैं; और

(च) इन मिलों की उत्पादन क्षमता कितनी-कितनी है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) जी हां।

(ख) वर्ष 1991-92 के दौरान कपड़े का उत्पादन 2376 मि. वर्ग मीटर था जिसकी तुलना में वर्ष 1992-93 में 2255 मि. वर्गमीटर कपड़े के उत्पादन होने का अनुमान है ।

(ग) और (घ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तिम वर्ष अर्थात् 1996-97 के लिए संगठित वस्त्र मिल उद्योग में कपड़े के उत्पादन के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं । मिल क्षेत्र के लिए 4150 मि. वर्ग मीटर उत्पादन होने का अनुमान है ।

(ङ) (i) विद्युत करघा क्षेत्र से प्रतिस्पर्धा, (ii) बुनाई क्षमता को अलग करना ।

(च) (31-10-1992 की स्थिति अनुसार) 1133 मिलें हैं जिनमें 27.92 मि. तकुए, 114 हजार रोटर तथा 169 हजार करघे हैं ।

विद्युत चालित करघा तथा हथकरघा क्षेत्र के लिए सूत की जरूरत

1017 **श्री राम जेठमलानी:**

श्रीमती सुषमा स्वराज : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच कि हथकरघा क्षेत्र के बुनकरों को कच्चा माल प्राप्त करने में काफी कठिनाई होती हैं तथा वे अकसर इस मामले में अपनी शिकायतें दर्ज करवाते हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार ने इनके लिए पर्याप्त मात्रा में सूत उपलब्ध करवाने के लिए कई कदम उठाए हैं ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने क्रमश: हथकरघा तथा विद्युत करघा क्षेत्र के उद्योगों की सूत की वार्षिक आवश्यकता का कोई आंकलन किया है ;

(घ) यदि हां, तो हथकरघा तथा विद्युतकरघा क्षेत्र को अलग-अलग वार्षिक जरूरत कितनी-कितनी है;

(ङ) इन दोनों क्षेत्रों में काम कर रहे बुनकरों को सूत उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने कौन से इंतजाम किए हैं ; और